



Haryana Government Gazette

EXTRAORDINARY

Published by Authority

© Govt. of Haryana

CHANDIGARH, THURSDAY, SEPTEMBER 2, 2010
(BHADRA 11, 1932 SAKA)

HARYANA VIDHAN SABHA SECRETARIAT

Notification

The 2nd September, 2010

No. 18—HLA of 2010/47.—The Bhagat Phool Singh Mahila Vishwavidyalaya, Khanpur Kalan (Amendment) Bill, 2010, is hereby published for general information under proviso to Rule 128 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly :—

Bill No. 18—HLA of 2010

BHAGAT PHOOL SINGH MAHILA VISHWAVIDYALAYA KHANPUR KALAN (AMENDMENT) BILL, 2010

A

BILL

*further to amend Bhagat Phool Singh Mahila Vishwavidyalaya
Khanpur Kalan Act, 2006.*

Be it enacted by the Legislature of the State of Haryana in the Sixty-first Year of the Republic of India as follows :—

1. This Act may be called Bhagat Phool Singh Mahila Vishwavidyalaya Short title. Khanpur Kalan (Amendment) Act, 2010.

2. In the proviso to sub-section (3) of section 11 of Bhagat Phool Singh Mahila Vishwavidyalaya Khanpur Kalan Act, 2006 (hereinafter called the principal Act), for the words and sign "sixty-five", the words and sign "sixty-eight" shall be substituted.

Amendment of
section 11 of
Haryana Act 31
of 2006.

Amendment of
section 11-A of
Haryana Act 31
of 2006.

Repeal and
saving.

3. In the proviso to sub-section (2) of section 11-A of the principal Act, for the figure "65", the words and sign "sixty-eight" shall be substituted.

4. (1) Bhagat Phool Singh Mahila Vishwavidyalaya Khanpur Kalan (Amendment) Ordinance, 2010 (Haryana Ordinance No. 4 of 2010), is hereby repealed.

(2) Notwithstanding such repeal, anything done or any action taken under the principal Act, as amended by the said Ordinance shall be deemed to have been done or taken under the principal Act, as amended by this Act.

STATEMENT OF OBJECTS AND REASONS

The Universities are established to disseminate and advance knowledge by providing instructional and research facilities in such branches of learning as it may deem fit and the Vice-Chancellor is the principal executive and academic officer of the university and exercises general supervision and control over the affairs of the university and gives effect to the decisions of all the authorities of the university.

The Pro Vice-Chancellor is an officer appointed by the Chancellor who is not below the rank of a Professor and exercises such duties as are assigned to him by the Vice-Chancellor.

The provisions regarding the appointment of Vice-Chancellors and Pro Vice-Chancellors in the Acts of Kurukshetra University Kurukshetra, Maharshi Dayanand University Rohtak, Chaudhary Devi Lai University Sirsa and Bhagat Phool Singh Mahila Vishwavidyalaya Khanpur Kalan (Sonepat) are essentially the same with maximum of two tenures of three years each with the maximum age permissible being 65 years.

For the effective administration of the universities and to retain eminent and seasoned persons, it is proposed to increase the superannuation age for Vice-Chancellor and Pro Vice-Chancellor from the present 65 years to 68 years.

Hence, this bill.

GEETA BHUKKAL,
Education Minister, Haryana.

Chandigarh :
The 2nd September, 2010.

SUMIT KUMAR,
Secretary.

/ प्राधिकृत अनुवाद

2010 का विधेयक संख्या 18-एच० एल० ए०

भक्त फूलसिंह महिला विश्वविद्यालय खानपुर कलां (संशोधन) विधेयक, 2010

भक्त फूलसिंह महिला विश्वविद्यालय खानपुर कलां

अधिनियम, 2006, को आगे संशोधित

करने के लिए

विधेयक

भारत गणराज्य के इक्सठवे वर्ष में हरियाणा राज्य विधानमण्डल द्वारा निम्नलिखित रूप में यह अधिनियमित हो :-

संक्षिप्त नाम।

1. यह अधिनियम भक्त फूलसिंह महिला विश्वविद्यालय खानपुर कलां (संशोधन) अधिनियम,

2010, कहा जा सकता है।

2006 के हरियाणा
अधिनियम 31 की
धारा 11 का
संशोधन।

2. भक्त फूलसिंह महिला विश्वविद्यालय खानपुर कलां अधिनियम, 2006 (जिसे, इसमें, इसके बाद, मूल अधिनियम कहा गया है), की धारा 11 की उपधारा (3) के परन्तुक में, “पैसठ” शब्द के स्थान पर, “अड़सठ” शब्द प्रतिस्थापित किया जाएगा।

2006 के हरियाणा
अधिनियम 31 की
धारा 11क का
संशोधन।

3. मूल अधिनियम की धारा 11क की उपधारा (2) के परन्तुक में, “65” अंकों के स्थान पर, “अड़सठ” शब्द प्रतिस्थापित किया जाएगा।

निरसन तथा
व्यापृति।

4. (1) भक्त फूलसिंह महिला विश्वविद्यालय खानपुर कलां (संशोधन) अध्यादेश, 2010 (2010 का हरियाणा अध्यादेश संख्या 4), इसके द्वारा निरसित किया जाता है।

(2) ऐसे निरसन के होते हुए भी, उक्त अध्यादेश द्वारा यथासंशोधित, मूल अधिनियम के अधीन की गई कोई बात या की गई कोई कार्रवाई, इस अधिनियम द्वारा यथासंशोधित, मूल अधिनियम के अधीन की गई बात या की गई कार्रवाई समझी जाएगी।

उद्देश्यों तथा कारणों का विवरण

ज्ञान के विस्तार एवं प्रसार के उद्देश्य से आवश्यकता अनुसार शैक्षणिक एवं शोध सुविधाएं प्रदान करने हेतु विश्वविद्यालयों की स्थापना की जाती है। कुलपति विश्वविद्यालय का प्रमुख कार्यकारी एवं शैक्षणिक अधिकारी है जो विश्वविद्यालय के कार्यों का सामान्य निरीक्षण एवं नियन्त्रण करता है और विश्वविद्यालय के सभी प्राधिकारियों के निर्णयों को प्रभावी करता है।

उप कुलपति, जो न्यूनतम प्रोफेसर की श्रेणी का हो, कुलाधिपति द्वारा नियुक्त किया जाता है और कुलपति द्वारा सौंपे गए कार्यों का निर्वहन करता है।

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र, महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय रोहतक, चौधरी देवी लाल विश्वविद्यालय सिरसा एवं भक्त फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय खानपुर कलां के अधिनियम में कुलपति एवं उप कुलपति की नियुक्ति हेतु वही आवश्यक प्रावधान है जिसमें अधिकतम 65 वर्ष की आयु तक तीन वर्ष की दो अवधियां अनुज्ञेय हैं।

विश्वविद्यालयों में प्रभावी प्रशासन और विष्यात एवं प्रसिद्ध व्यक्तियों को रखने के उद्देश्य से कुलपतियों एवं उप कुलपतियों की सेवा निवृति की वर्तमान 65 वर्ष की आयु को बढ़ाकर 68 वर्ष करने का प्रस्ताव है।

अतः विधेयक प्रस्तुत है।

गीता भुक्कल,
शिक्षा मंत्री, हरियाणा।

चण्डीगढ़ :
2 सितम्बर, 2010

सुमित कुमार,
सचिव।